२०/६/२४	पत्रावली पेश हुई। प्रतिवादी उप.। वादी की मौत हुए लम्बा समय हो चुका है। बावजूद अति. वादी द्वारा वारिस कायमी नहीं करवाई गई। अतः प्रकरण में वारिस कायमी नहीं करवाने से वादी का वाद इसी स्तर पर अबेट किया जाकर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। निर्णय खुले इजलास सुनाया गया।	मगनीराम

Signature Not Verified

Digitally signed by Ramesh Chandra Bahediya
Date: 2025.02.06 16:17:51 IST
Reason: SelfAttested